Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–134

B.A. (Part–I) Examination, 2022

HINDI LITERATURE

Paper - II

(कथा साहित्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. (i) चित्रा मुद्गल के कथा-सृजन की मूल चेतना क्या रही है ?

   (ii) 'एक जमीन अपनी' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

   (iii) 'मधुआ' कहानी के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

   (iv) 'बूढ़ी काकी' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

(v) 'अकेली' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(vi) 'पानी के सात रंग' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर विचार कीजिए।

(vii) 'घिसटता-कम्बल' कहानी की मूल चेतना को अपने शब्दों में लिखिए।

(viii) 'स्मृतियों में पिता' कहानी में पिताजी को किस चीज का शौक था ?

(ix) हिन्दी का प्रथम उपन्यास किसे माना जाता है ?

(x) 'आंचलिक कहानी' की **दो** विशेषताएँ बताइए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** अवतरणों की प्रसंग सहित **200** शब्दों में व्याख्या कीजिए :

2. "और..... धर्मशाला की तख्ती आज मेरे घर के दरवाजे पर नहीं टंगेगी ..... मैं सिर्फ गृहिणी ही नहीं हूँ ..... एक स्त्री भी हूँ ..... आखिर सुबह से रात के बीच कोई एक क्षण ऐसा नहीं हो सकता जिसे मैं नितान्त अपने लिए जी सकूँ ..... कागज कलम लेकर बैठ सकूँ। जो पढ़ना चाहती हूँ वह पढ़ सकूँ ..... लिखना चाहती हूँ वह लिख सकूँ।"

3. जी पुरुष ही ..... गौर कीजिए, स्त्री ही क्या किसी भी व्यक्ति को आप कमरे में सालों साल बंद रखिए, मात्र उसे खाना-पानी देते रहिए। खुली हवा-पानी से वंचित वह व्यक्ति एक रोज निश्चित ही असंतुलित हो उठेगा ..... उसकी संवेदना कुंद हो जाएगी, उसकी निर्णय क्षमता छीज जाएगी ..... वह सिर्फ अपने बारे में सोचेगा या उस कमरे में दाना-पानी पहुँचाने वाले के विषय में। उसकी पूरी दुनिया सिमटकर उस कमरे तक सीमित हो उठेगी ..... वही हाल स्त्री का हुआ है।

4. सरकार! बूढ़ों से सुने हुए वे नवाबी के सोने से दिन, अमीरों की रंगरेलियाँ, दुखियों की दर्द भरी आहें, रंगमहलों में घुल-घुलकर मरने वाली बेग में, अपने-आप सिर में चक्कर काटती रहती है। मैं उनकी पीड़ा से रोने लगता हूँ। अमीर कंगाल हो जाते हैं। बड़े-बड़ों के घमन्ड चूर होकर धूल में मिल जाते हैं। तब भी दुनिया बड़ी पागल है। मैं उसके पागलपन को भुलाने के लिए शराब पीने लगता हूँ - सरकार!

5. घटनाएँ सब अधूरी होती हैं पूरी तो कहानी होती है। कहानी की संगति मानवीय तर्क या विवेक या कला या सौन्दर्य बोध की बनाई हुई संगति है, इसलिए मानव को दीख जाती है और वह पूर्णता का आनन्द पा लेता है। घटना की संगति मानव पर किसी शक्ति की कह लीजिए काल या प्रकृति का संयोग या दैव या भगवान की बनाई हुई संगति है।

6. धीरे-धीरे फिर अपनी याद आ जाती है। फिर याद आ जाते हैं मेरा स्वत्व मांगते स्वप्न। फिर याद आता है – मेरा अपना होना, कुछ होना, कुछ करना, मेरा अपना अस्तित्व। फिर भीतर-बाहर से आँख-मिचौली होने लगती है। फिर भीतर कुछ कठोर होने लगता है, फिर उसकी आवाजें प्रभावहीन होने लगती हैं।

7. "देखो इन नन्हीं रोशनियों को। ये अपने में भी पूर्ण हैं और बाहर की दुनिया को भी उजाले से भर रही हैं। क्या हम सचमुच इतने कमजोर हैं, नहीं। यह दुनिया बहुत बड़ी है। यहाँ बहुत से लोगों को हमारी जरूरत है। हम अपनी क्षमता, विश्वास से दूसरों को जीने का हौसला दे सकते हैं, शायद हमें लेने में नहीं देने में ज्यादा खुशी और अपनापन मिलेगा।"

8. मैं उनके सामने अपना अर्थ खो चुके उन्हीं वाक्यों को दोहराना चाहते हुए भी दोहरा नहीं पाती थी कि मत डरो, कोई नहीं मरता। कुछ नष्ट नहीं होता। जिसे हम 'मरना' कहते हैं वही अपनी 'राख' में से 'उगना' भी तो है। मुझे इस वाक्य के खारिज हो जाने का डर था, जिस तरह आज तक मेरी समस्त धारणाओं, विश्वासों और अज्ञात के प्रति प्रेम को खारिज किया जा चुका है यह कहते हुए कि जो बातें समझ में नहीं आतीं, उनका अस्तित्व नहीं है।

खण्ड–स

नोट :– किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (शब्द सीमा **500** शब्द)

9. 'एक जमीन अपनी' उपन्यास में महानगरीय परिवेश और सभ्यता के यथार्थ चित्र प्रस्तुत किए गए हैं। इस कथन की सोदाहरण समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

10. "अंकिता 'एक जमीन अपनी' उपन्यास के प्रमुख पात्र हैं।" इस कथन के सन्दर्भ में अंकिता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

11. मालती जोशी की 'स्नेहबन्ध' कहानी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।

12. 'चीफ की दावत' कहानी पुरानी पीढ़ी की पराजय और नई पीढ़ी की मूल्यहीनता की कहानी है।" इस कथन के सन्दर्भ में प्रस्तुत कहानी का मूल्यांकन कीजिए।